12 40/1-2 hrs.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (MIZORAM), 1977-78

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): I beg to present a statement showing Supplementary Demands for Grants in respect of the Union Territory of Mizoram for the year 1977-78.

12.41 hrs.

RAILWAY BUDGET, 1978-79—GENERAL DISCUSSION—Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, we take up further consideration of the Budget (Railways).

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): May I know when is the Minister going to reply?

MR. DEPUTY-SPEAKER: At 2-30 P.M. the Minister will reply. Till 2-30 P.M. we shall continue further discussion on the Budget (Railways). Shri Shrikrishna Singh was on his legs. Let him continue.

श्री श्रीकृष्ण सिंह (मुंगेर) : उपाध्यक्ष महोदय, कल मैंने बताया था कि कर्मचारियो के वेतनो मे, आवास की सुविधाओ मे और कर्मचारी कल्याण पर करीब 90 करोड रुपया अतिरिक्त खर्च करने का प्रावधान है। दूसरे दर्जे के यात्रियों के लिए भी सुविधा बढ़ाने के कई काम है। फिर भी 65 करोड की बचत की जो सम्भावना है बिना किराये की बढ़ोतरी किये हुए, यह एक बड़ा काम है। रेलो के संचालन मे इन्होने कर्मचारियो तथा प्रशासन की साझेदारी ली है। और उसके प्रति जो दृष्टिकोण मंत्री जी ने प्रकट किया है उसके लिए हम इसका समर्थन करते है। ऊंची तनख्वाहें पाने वाले अफसरो की सुविधाओ मे जो कटौती की गई है, एयर कंडीशन्ड के मामले मे या पहले दो मे घुमने की सुविधाओ में जो धीरे-धीरे कमी की जा रही है इसके लिए भी हम इस दृष्टिकोण का समर्थन करते है। सबसे अधिक लाभ नीचे स्तर के कर्मचारियो को मिलेगा। सेलैक्सन ग्रेड चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियो को देने की भी बात है। इन सब बातों से मालूम होता है कि मंत्री जी का ध्यान गांधियन समाजवाद की तरफ है। बलाम दो के अफसरो की पदोन्नति का प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। इसी प्रकार लोको रनिंग स्टाफ की कंडीशन आफ सर्विस मे सुधार हुआ है। जो फैरी करने वाले बैरा लोग है उनकी सेवाओ को नियमित करने की तरफ मत्री जी सोच रहे है। फायरमैन के वेतन में वृद्धि की गई है। यह गांधियन समाजवाद की तरफ कदम है।

मगर मै कहना चाहता हूं कि पिछड़े क्षेत्रो मे रेल बिछाने की जो नीति है उसकी तरफ आपने उपेक्षा की है। किउल मे साहबगज बढ़रवा तक दौहरी रेलवे लाइन बिछाने की बात की थी। हावडा से बढरवा तक लाइन बनी है, लेकिन बढरवा मे किउल तक की लाइन की उपेक्षा कर दी गई। हमारा निवेदन है कि दौहरी लाइन बिछाने का काम शीघ्र किया जाए। निर्मली-भपतिया लाइने के रेस्टोरेशन की तरफ कोई ध्यान नही दिया गया। इसी तरह से प्रतापगज-वीरपुर लाइन है। यह दोनो लाइने बनी है लेकिन कोसी की बाढ से ध्वस्त हो गई है इसलिए उनको रेस्टोर करने की बात है। यह दोनों लाइने किसान क्षेत्र की लाइने है। उत्तर बिहार के लोग जो फसल उपजाने वाले लोग है उनको सुविधा पहुंचाने की दृष्टि से इन दोनो लाइनो को रेस्टोर किया जाए जिससे कोसी से बाढ़ पीड़ित लोगो का कल्याण हो। मत्री जी को उनकी उपेक्षा नही करनी चाहिए।

सकरी से हसनपुर, लाइन की प्रगति शून्य है। रांची रोड से कोडरमा और भागलपुर से मंदार हिल रेलवे लाइन के बारे मे मंत्री जी ने पिछले साल आश्वासन दिया था। लेकिन इस बार उनको छोड़ दिया है। रांची रोड से कोडरमा और कोडरमा से गिरिडीह